प्रेस विज्ञप्ति

हिन्दुस्तान कॉलेज में 'अनबॉक्स योरसैल्फ' पर कार्यशाला

घटनाओं पर हमारी प्रतिक्रियायें करती हैं तय परिणाम–सुश्री गोगिया

शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी में गणित विभाग द्वारा 'अनबॉक्स योरसैल्फ' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सुश्री तनवी गोगिया एवं विशिष्ट अतिथि 'रोसनी' नामक गैर सरकारी संगठन की चेयर परसन सुश्री प्रशांत सरोज एवं चेयर प्रेसीडेंट सुश्री मनोज बल रहीं ।

संस्थान के अधिशासी निदेशक प्रो. वी.के.शर्मा ने कार्यशाला में मुख्य अतिथि सुश्री तनवी गोगिया एवं उनके साथ आयी सुश्री प्रशांत सरोज एवं सुश्री मनोज बल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का संक्षिप्त परिचय दिया और कहा कि प्रेरक विशेषज्ञों का आज की तिथि में विशेष योगदान है जहाँ तक जीवन की सफलता संदर्भित है आज प्रत्येक मनुष्य को अपने इर्द–गिर्द नकारात्मक ऊर्जा एवं पर्यावरण के कूँओं से कूप–मंडूप न रहकर अपनी क्षमता सीमाओं के बाहर आकर जीवन में सफल होने हेतु प्रयास करने होंगे और निश्चित ही आज की कार्यशाला से सफलता सूत्र पाकर जीवन में सफल होने की प्रेरणा पा सकेंगे।

मुख्य अतिथि सुश्री तनवी गोगिया ने अपने सम्बोधन में एक प्रेरक व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने बताया कि हम में से प्रत्येक को अपने दायरों से बाहर निकलना होगा। तभी हम सफलता पा सकते

हैं। अक्सर लोग स्वयं के बारे में सीमायें निश्चित कर लेते हैं और उन्हीं के अंतर्गत कार्य करने को मजबूर हो जाते हैं और जैसे भी सम्भव हो सके जीने की राह तलाशते रहते हैं। घटनाओं पर प्रतिक्रिया के गहरे असर से समभावित परिणामों का जिक्र करते हुये उन्होंने बताया कि घटनाओं के प्रति हमारी प्रतिक्रियायें अगर सकारात्मक हैं तो निश्चित ही सकारात्म परिणाम सम्भव हैं। घटनाओं पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है परन्तु प्रतिक्रियाओं को हम नियंत्रित कर सुखमय परिणाम की सम्भावना तलाश कर सकते हैं। प्रतिक्रियाओं में उन्होंने कार्यशाला में प्रतिभागी समस्त श्रोताओं को सलाह दी कि किसी भी घटना की प्रतिक्रिया में किसी को दोषारोपित नहीं करना है, किसी से कोई शिकायत नहीं करनी और ना ही किसी के बारे में कोई पूर्वाग्रह से ग्रसित निर्णय लेना है।

उन्होंने बताया कि घटनाओं के परिणाम प्रायः हमारे कर्मों के अनुसार है इसमें किसी की किसी से तुलना सम्भव नहीं है।

संस्थान के डीन फैकल्टी ने सभी अतिथि विशेषों का व्याख्यान सारांशित करते हुये कार्यशाला को सराहा तथा युवाओं को कार्यशाला से लाभान्वित होने की स्पष्ट मंशा जताई।

कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन इलैक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन विभाग की सहायक आचार्या श्रीमती रूपाली महाजन ने किया।